



पेरेंट्स' गाइड (साइबर क्राइम्स/ बुली)

क्या आपका बच्चा सायबर बुली है?

ये एक चिंता का विषय है अगर
आप...

देखते हैं..

-कि आपके बच्चे का एक से
ज़्यादा सोशल मीडिया अकाउंट
है।

-कि आपका बच्चा
अपनी ऑनलाइन एक्टिविटी को
छुपाता है।

- कि आपका बच्चा ज़्यादातर
समय ऑनलाइन बिताता है।





सुनते हैं..

-कि आपका बच्चा ऑनलइन रहते हुए बनावटी टिपण्णी या हसी मज़ाक करता है।

-कि आपका बच्चा अपने दोस्तों के साथ ज़्यादा गपशप करता है या क्रूर शब्दों का प्रयोग करता है।

ध्यान दें

-कि आपके बच्चे का व्यवहार बेपरवाह या रूखा सा रहता है?

-कि कहीं आपका बच्चा आलोचनात्मक (judgemental) बातों में या बहुत सोच में पड़ता है?

-कि क्या आपका बच्चा चिड़चिड़ा हो गया है या गुस्सा ज़्यादा करने लगा है?

-कि क्या आपका बच्चा हर बात पे उल्टे जवाब देने लगा है?



साइबर बुलीइंग के नतीजे

साइबर बुलीइंग बच्चों के स्वभाव में
अक्सर इस तरह का बदलाव लाता है..



बीमारी

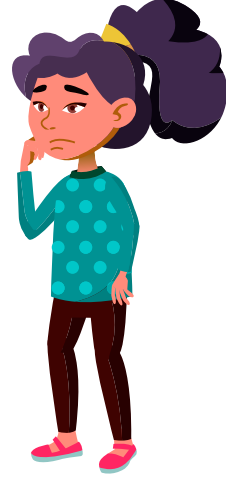


डिप्रेशन



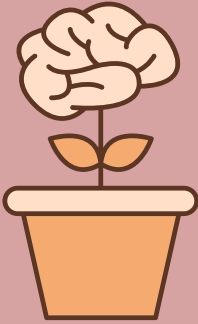
अकेलापन

तिरस्कार



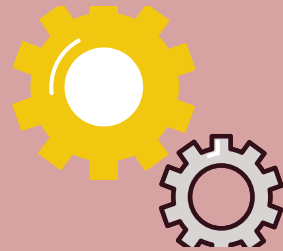
गुस्सा

अपने बच्चों को साइबर क्राइम्स/ बुली से कैसे बचाएँ?



जागरूक रहें
इंटरनेट पर मिलने वाली हर
जानकारी, गेम्स और ऐप्लिकेशंस
की जानकारी रखें।।

टूल्स की जानकारी रखें
बच्चों के लिए सेफ इंटरनेट सेट
करे। सुरक्षा टूल्स और सभी
नियमों की जानकारी रखें।





जानकार बनें

बच्चों को सोचने और समझने के लिए प्रभावित करें और उन्हें साइबर बुलइंग/ क्राइम्स की पूरी जानकारी दें।

निगरानी रखें

ध्यान दें कि आपका बच्चा कितनी देर ऑनलाइन रहता है और इंटरनेट पर क्या देखता है।



भरोसा करें



अपने बच्चे पर भरोसा रखें और उसका भी भरोसा जीतें ताकि वो खुल कर आप से अपनी परेशानी कह सके और कुछ छुपाये नहीं।

हम सब चाहें तो मिल
कर साइबर क्राइम्स/
बुली को रोक सकते हैं।
अपने बच्चों को इससे
बचा सकते है।

ध्यान रखें। सुरक्षित रहें।